महानदी में बाढ़ का खतरा नहीं

चर्चा में क्यों?

सरकारी अधिकारियों के अनुसार महानदी नदी प्रणाली पर बाढ़ का **कोई डर नहीं है।**

मुख्य बिंदु

- महानदी प्रणाली गोदावरी **और** कृष्णा **के बाद प्रायद्वीपीय भारत की तीसरी सबसे बड़ी नदी है तथा ओडिशा राज्य की सबसे बड़ी नदी है**
- नदी का जलग्रहण क्षेत्र **छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा, झारखंड और महाराष्ट्र तक विस्तृत है**
- इसका बेसिन **उत्तर में मध्य भारत की पहाड़ियों,** दक्षिण और पूर्व में **पूर्वी घाट** तथा **पश्चिम में** मैकाल रेंज से घिरा है
- **स्रोत:**
  - यह नदी **छत्तीसगढ़ राज्य में रायपुर के निकट सिहावा** के निकट अमरकंटक के दक्षिण में स्थित स्थान से निकलती है।
- **प्रमुख सहायक नदियाँ:**
  - शिवनाथ, हसदेव, मांड और इब नदियाँ महानदी में **बायीं** ओर से मिलती हैं जबकि **ओंग, तेल तथा जोंक नदियाँ इसमें दायीं ओर से मिलती हैं।**
- **महानदी विवाद:**
  - केंद्र सरकार ने **वर्ष 2018 में** महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया।
- **महानदी पर प्रमुख बाँध/परियोजनाएँ:**
  - हीराकुंड बाँध भारत का सबसे लंबा बाँध है।
  - रविशंकर सागर, दुधावा जलाशय, सोंदुर जलाशय, हसदेव बांगो और तंदुला अन्य प्रमुख परियोजनाएँ हैं।
- **शहरी केंद्र:**
  - इस बेसिन में तीन महत्त्वपूर्ण शहरी केंद्र रायपुर, दुर्ग और कटक हैं।
- **उद्योग**:
  - महानदी बेसिन अपने समृद्ध खनिज संसाधन और पर्याप्त ऊर्जा संसाधन के कारण अनुकूल औद्योगिक जलवायु है।
  - भिलाई में **लोहा और इस्पात संयंत्र**
    - हीराकुंड और कोरबा में **एल्युमीनियम कारखाने**
    - कटक के पास **पेपर मिल**
    - सुंदरगढ़ में **सीमेंट कारखाना।**
- **मुख्यतः कृषि उपज पर आधारित अन्य उद्योग चीनी और कपड़ा मिलें हैं।**
- **कोयला, लोहा और मैंगनीज़ का खनन** अन्य औद्योगिक गतिविधियाँ हैं।

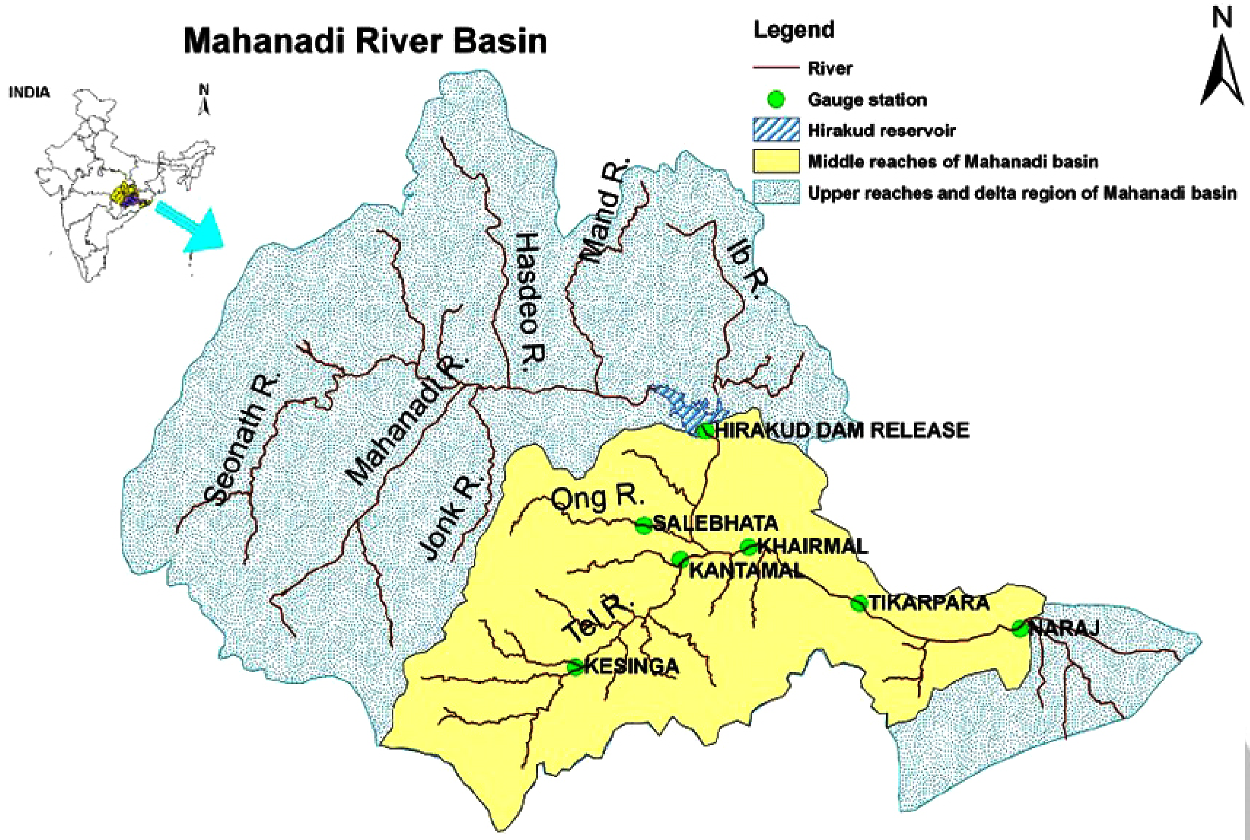

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/no-flood-threat-in-mahanadi